

Thames Rivers Trust

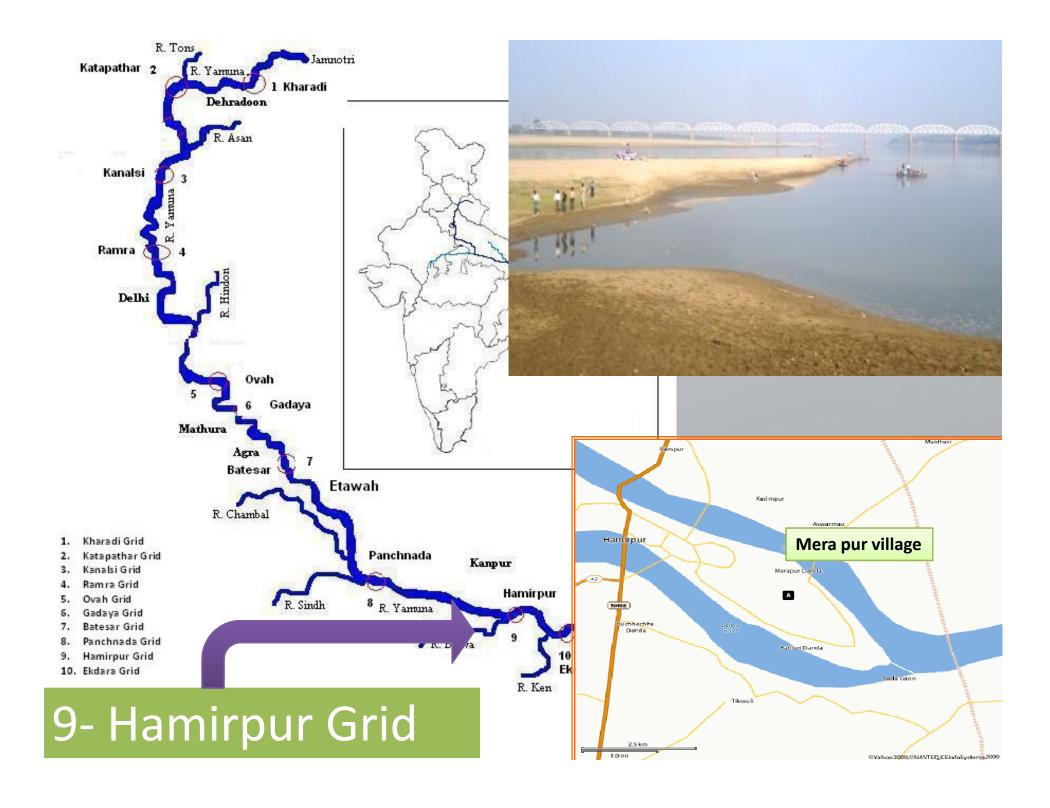


Yamuna- Betwa Nadi Mitra Society, Hamirpur, Uttar Pradesh



Key features of the Grid

- Located close to district headquarter town
- Confluence of Yamuna and Betwa rivers
- Known for heavy sand mining in river
- Simh Maheswar temple on the river bank
- Ravines in both rivers
- River Yamuna forms a valley
- Intensive farming



Waste management

- •Green Kartik fair at confluence of Yamuna and Betwa
- •3 Dust bins at Simh Maheshwer Temples
- Paper bags distribution



Catchment restoration



2011- Samplings, No. 1200

2012- Sampling, No. 700

80% survival of the plantation





Village health







Yamuna Eco Scholar





NMM activities in Press

तापमान 23.0(अघि.)09.0(न्यून.)

हमीरपुर, कार्यालय प्रतिनिधि मौजूदा समय में पूरा विश्व जल संकट से जुझ रहा है। गंभीरता को देखते हुए कहावत बन गयी है कि

अगला विश्व युद्ध पानी के लिए होगा। जल की कमी को अहम मानकर इसके संरक्षण पर लगातार जोर दिया जा रहा है।

कुछ समितियां व समाजसेवी लोगों द्वारा जल संरक्षण के लिए परंपरागत प्रणाली से जल प्रदूषण को

रोकने व दूषित पानी को साफ करने

के प्रयास लगातार किए जा रहे है

इसके सार्थक परिणाम भी सामने आ

रहे हैं। इसके अलावा जल संरक्षण

के लिए जिले में मनरेगा के तहत

आदर्श तालाब भी बनवाये गये हैं,

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

जिले में जल संरक्षण के लिए

सरकार द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग

सिस्टम को वर्ष 2010 में शरू किया

गया था। इसके तहत जिले के सभी

संचय कर पाइप के माध्यम से भूमि

में बने टैंक में जमा करके जल की

पक्षियों की चहचहाट सें 'यमुना नदी' गुलजार

यमुना-बेतवा संगम में मिली डाल्फिन





र्वद्रमान नारमण, रोम, अरुण कृपम, पुरुषान की। इस दौरान टीम ने कुल 21 सनु, गामसक्य, रामसानु, दोणजानन की दौरा ने पामसानु, दोणजानन की दौरा ने पामसानु, दोणजानन की दौरा ने पामसानु की सोम राव लाज की दौरा ने पामसानु की सामसान की की सामसान की स

यमुना पुल से संगम तक पक्षियों की प्रजातियां

मलंक (2), सफेद गर्दन

(प्रवासी-2), गीरेवा (प्रवास

नदी से निकालकर अवशेषों को किया भूविसर्जित



नेभवार को यमुना-बेतवा नदी मित्र प्रामित के सदस्यों ने यमुना-बेतवा के शंगम पर नदी के किनारे और बीच धारा में फंसी दुर्गा प्रतिमाओं को पानी से नकालकर मिट्टी में दफन कर दिया। इमिति के पदाधिकारी सार दिन इस मियान में लगे रहे। इस दौरान करीब मियान में लगे रहे। इस दौरान करीब मधा सैकड़ा से अधिक प्रतिमाओं को

भाशा सेकड़ा सं आधिक प्रावमाओं का गानी से निकाला गया। इस साल समिति के सदस्यों इस प्रांत प्रांतमाएं स्थापित करने वालों से संपर्क कर उन्हें भू-विसर्जन के लिए शिरत किया था। कुछ ने पहले उनकी बात को तवन्त्रों देते हुए मू-विसर्जन के शिर्



आखिरी वक्त में वायदे से

कैना-खसंखस शुद्ध करेंगे तालाबों का गंदा पानी



नदियों को बचाने के लिए करें 'भू-विसर्जन

केमिकल पहुंचाते हैं जलीय जन्तुओं को नुकसान



सोख फिट व वाटर प्रदूषण से आचवन के लायक नहीं रही यमुना



समय रहते चेत जाएं

वरना बन जाएंगे धरोहर

वाटर हार्वेस्टिंग से जल संरक्षण

एकमात्र भवन में भी वर्षा जल

विकास भवन को बने ह

दशक से ज्यादा हो गया है. भवन को भी रेन वाटर हा

सिस्टम के तहत बनाया

भी हुआ, लेकिन अब गड्व

राजीव कुमार ने जीरो डि

नीति को अपनाने हुए पानी सोर्स से निकालने वाले दुषिर

को रिसाइकिल कर उसका इर

खेतीबाड़ी आदि के लिए का

का डेरा, डिग्गी समेत अन्य ग

किसानों को इस नीति से गरे

गायब हो गया है।

संचय नहीं

नदियों में गिर रहे गंदे पानी को रोकने की मुहिम

हमीरपुर जागरण

गड्डा कर विसर्जित कर दिया। यमुना-बेतवा नदी मित्र समिति के द्वारा नवरात्र में

पित दी सैकडा से अधिक देवी प्रतिमाओं कभी थीं जीवनदायिनी, अब अपने जीवन पर संकट

जनसंदेश हाइइस कानपुर

यमुना,बेतवा नदी मित्र समिति ने सोख

यमुना, बेतवा नदी मित्र समिति

05 कानपुर •सोमवार •०१ अक्तूबर २०१२ हिन्दुस्तान

नदी संरक्षण जागरूकता कार्यशाला में नदी मित्र समिति के लोगों ने किया श्रमद

प्रदूषण से रोगी हो गईं नदियां



यह कोई पालिका का तालाब नहीं, बल्कि घरों से निकले गंदे पानी से बना

तालाब है. जिससे क्षेत्र में बीमारियां फैलने की आशंका बनी रहती है।

जल संरक्षण के लिए समितियों के कार्य

यमना-बेतवा नदी मित्र समिति के अध्यक्ष उदयभान सिंह ने

बताया कि वह पिछले 4 साल से जल संरक्षण व जल को

ग्राम में जल के बचाने के लिए तालाब को पक्षा करवाया। इसके साव ही तालाब के पानी को साफ रखने के लिए कैना उदय आन। के 29 पौधे भी लगवाए। साथ ही जल को सरक्षित व साफ रखने के लिए

साफ रखने पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने मेरापुर भिलावां के

उन्होंने नदियों से मूर्तियों को निकालकर जमीन में विसर्जित किया।



मेरापुर में तालाब का जीर्णोद्ध

